ISSN: 2583-0511 (Online), www.pashupalakmitra.in

पशुओ को यूरिया-मोलासेस उपचारित चारा खिलाये

डॉ. राजेश नेहरा

सहायक आचार्य
पशु पोषण विभाग , राजुवास , बीकानेर

श्रेष्ठ नस्ल के पशु को अनुकूलित वातावरण में रखकर संतुलित आहार दिया जाये तो अधिकतम उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है | पशुपालन के कुल खर्च का लगभग 70% भाग पशु आहार पर खर्च किया जाता है | राजस्थान की शुष्क जलवायु और अकाल की समस्या के कारण पशुओ के लिए वर्षभर हरा चारा उपलब्ध नहीं हो पाता है, एवं जो सुखा चारा उपलब्ध होता है उसकी पोष्ठिकता कम होती है और अधिक उत्पादन वाले पशुओ में पोषक तत्वों की पूर्ति नहीं हो पाती है तथा पशु कमजोर व रोगग्रस्त हो जाते है | पशुपालन आजीविका का प्रमुख स्रोत होने के कारण संतुलित आहार देने के लिए यूरिया-मोलासेस उपचारित चारे का प्रयोग किया जा सकता है | ज्यादातर पशुपालक सूखे चारे, तुड़ी, बेरी-पाला, भूसा, खाखला, कड़बी इत्यादि का प्रयोग करते है जिनसे पशुओ को ऊर्जा, प्रोटीन एवं खनिज लवण प्राप्त नहीं हो पाते तथा उत्पादन में कमी आती है |

पशुपालको को प्रशिक्षित कर यूरिया-मोलासेस ब्लाक तैयार करवा कर पशुओ को चाटने के लिए दिए जा सकते है | यूरिया मोलासेस ब्लाक ऊर्जा, प्रोटीन, खनिज लवण के उत्तम स्रोत है जिसे उचित मात्रा में प्रयोग कर अमोनिया विषाक्तता का खतरा टाला जा सकता है क्योकि चाटने से पशु के शरीर में धीरे धीरे यूरिया नाइट्रोजन को विसर्जित करते है |

यूरिया मोलासेस उपचारित चारे का पशु के शरीर में उपापचय :-

यूरिया मोलासेस उपचारित चारा प्रोटीन, नाइट्रोजन का प्रमुख स्रोत है जिसमे पर्याप्त मात्रा में ऊर्जा , खनिज लवण व् विटामिन होते है | जुगाली करने वाले पशु के रुमन (पेट) में सूक्ष्म जीव बैक्टीरिया , प्रोटोजोआ, कवक इत्यादि होते है, इनके लिए मोलासेस ऊर्जा का प्रमुख स्रोत है, साथ ही यूरिया पशु के रुमन (पेट) में हाइड्रोलायसिस से अमोनिया में परिवर्तित हो जाता है जो इन सूक्ष्म जीवो के लिए नाइट्रोजन का प्रमुख स्रोत होता है इससे सूक्ष्म जीव उच्च गुणवता की माइक्रोबियल प्रोटीन बनाते है जो पशुओ के काम आती है |

यूरिया मोलासेस उपचारित चारे के प्रमुख संघटक :-

प्रति 100 किलोग्राम चारे हेतु

यूरिया - 2 किलो मोलासेस या शीरा / गुड - 10 किलो

पानी - 10 किलो खनिज तत्व - 1 किलो नमक - 1 किलो

यूरिया मोलासेस उपचारित चारे के निर्माण की विधि :-

1. सबसे पहले 2 किलो यूरिया को 10 किलो पानी में घोल ले |
2. इस घोल को 10 किलो मोलासेस में डालकर अच्छी तरह मिश्रित कर ले |
3. अब इसमें 1 किलो नमक और 1 किलो खनिज तत्व मिला ले, यह मिश्रण 100 किलो चारे के लिए पर्याप्त है |
4. सूखे चारे को छोटे छोटे टुकडो में कट लेवे तथा दो से तीन इंच की परत में फैला ले |
5. अब सूखे चारे पर मिश्रण या घोल का आधा भाग छिड़क कर 30 मिनट तक सूखने देवे, जिस से घोल चारे पर चिपक जाये |
6. अब चारे को उल्टा पुल्टा कर शेष बचे आधे मिश्रण का भी छिडकाव कर देवे |
7. इसे अच्छी तरह से सुखा कर इसका भण्डारण कर लेवे |

इसके बाद पशुओ को आवश्यकता के अनुसार खिलाया जा सकता है |